लिखा किस्मत में मिटता नहीं मिटाने से भजन लिरिक्स

लिखा किस्मत में,
मिटता नहीं मिटाने से,
समय को काट लो भैया,
किसी बहाने से।bd।

तर्ज – हुस्न हाजिर है।

हरिश्चंद्र राजा था,
संग रानी तारा,
रोहित को नाग ने काटा,
कफन भी मिल नहीं पाया,
समय की धारा,
मिटती नहीं मिटाने से,
समय को काट लो भैया,
किसी बहाने से।bd।

रावण अभिमानी था,
सिया को चुरा लाया,
सबसे कहता था यही,
कौन मुझे मारने वाला,
रोक नहीं पाया कोई,
रावण को मरने से,
समय को काट लो भैया,
किसी बहाने से।bd।

प्रहलाद भक्त था,
हरि नाम जपता था,
हरि नाम जपता था,
किसी से ना डरता था,
रोक नहीं पाया कोई,
हरि नाम रटने से,
समय को काट लो भैया,
किसी बहाने से।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
लिखा किस्मत में,

मिटता नहीं मिटाने से,
समय को काट लो भैया,
किसी बहाने से।bd।

गायक – लखन रघुवंशी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com